वृद्ध दम्पती को बंधक बनाकर हुई डकैती का खुलासा, छह गिरफ्तार

आरोपियों ने घर की रैकी पीड़ित के घर काम करने वाली महिला नीलम के जरिये की थी

अलवर, (निसं)। शहर की आर्य नगर कॉलोनी में एक वृद्ध दम्पती को बंधक बना कर हुई डकैती का कोतवाली पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। ये सभी आरोपी अपराधिक पृवति के होने के कारण फरारी काट रहे थे।

संजीव नैन जिला पुलिस अधीक्षक अलवर ने बताया कि जांच में सामने आया कि पीड़ित के घर काम करने वाली महिला नीलम ने पूछताछ बताया कि मैने मेरे दोस्त आर्यन को बताया था कि मेरे घर के मालिक नीरज गर्ग अपने परिवार के साथ 6-7 दिन के लिये शादी में शहर से बाहर जा रहे हैं, जिनके घर में पैसा होता है चूंकी नीलम परिवादी के घर पर साफ सफाई का कार्य करती है। आर्यन अन्य आरोपियों के साथ हांसी में मारपीट, हत्या के प्रयास मुकदमे में वांछित होने के कारण फरारी काट रहे थे। इस कारण आरोपियों को पैसे की जरुरत थी। आरोपी घटना कारित करने के उद्धेश्य से पहले सभी गुडंगावा में एक जगह इक्टठा हुए और वारदात के लिये प्लानिंग की व 20 नवंबर को सभी अपने एक साथ मोबाइल बन्द कर

- **सभी आरोपी अपराधिक पृवति के होने के कारण फरारी काट रहे थे, इस कारण रुपयों की जरुरत थी**

वारदात करने के लिये अलवर आ गये। जहां आर्यन ने परिवादी के घर की रैकी आरोपीया नीलम की मदद से की। तत्पश्चात सभी अपने साथ लाये कार में बैठकर रेल्वे स्टेशन के सामने जाकर खड़े हुए और योजना के अनुसार गाड़ी व ड्राईवर को रेल्वे स्टेशन पर छोड़ कर वहां से ई-रिक्शा के माध्यम से भगत सिंह चौराहा पहुंचे। वहां से पैदल परिवादी के घर (घटना स्थल) पर पहुंचे और घटना को अंजाम दिया। चुंकि आरोपिया नीलम द्वारा अन्य आरोपियों को घटना स्थल के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी दे दी गई थी एंव उन्हें यह भी मालूम था कि घर के बैसमेन्ट के दरवाजा खुला हुआ है, जिससे बिना किसी संघर्ष के आसानी से आरोपी घटना स्थल में दाखिल हो गये।

आरोपियों की गिरफ्तारी व तलाश हेतु टीमे गठित कर तकनिकी एवं आसूचना संकलन कर मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों में सुजल वाल्मिकी, सचिन वाल्मिकी, ऋषि वाल्मिकी, हन्नु वाल्मिकी, आर्यन वाल्मिकी सभी आरोपी चारकुतबगेट हांसी सिटी जिला हिसार हरियाणा के रहने वाले हैं, जबकि कुमारी नीलम उर्फ कंचन पुत्री अशोक जाटव निवासी मेव बोर्डिंग के पीछे, अलवर थाना कोतवाली अलवर की रहने वाली है। सभी आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड प्राप्त किया जा रहा है।

अवैध खनन पर कार्रवाई करने गई टीम पर हमला, तीन गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बागोर थाना क्षेत्र के पुरानी अमरगढ़ स्थित कोठारी नदी में अवैध बजरी खनन की शिकायत पर पहुंची टीम पर हमला कर वाहन में तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, वारदात की रिपोर्ट बागौर पटवारी दिनेशचंद्र कुमावत ने दर्ज करवाई थी।

घटना के अनुसार, पुरानी अमरगढ़ में बुधवार रात कोठारी नदी में अवैध रूप से बजरी खनन व परिवहन की सूचना पर बागौर पटवारी दिनेशचंद्र कुमावत, लेसवा पटवारी कमल किशोर, अमरगढ़ पटवारी चंद्रमोहन मीणा व बोलेरो चालक जसराज कुमावत के साथ कोठारी नदी पहुंचे,

- **पुलिस हमला करने के अन्य आरोपियों को तलाश कर रही है**

जहां तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भरी मिली। मौके पर तीनों ट्रैक्टरों के साथ तीन-तीन आदमी थे। ट्रैक्टर चालकों से रवन्ना के बारे में पूछा, लेकिन कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाये। माफियाओं ने फोन कर साथियों को बुलवा लिया। मोटरसाइकिल पर सवार होकर कई लोग कोठारी नदी पहुंचे और बोलेरो पर पथराव शुरू कर दिया। इससे पटवारी दिनेशचंद्र के हाथ पर चोटें आई। तीनों पटवारी किसी तरह जान बचाकर थाने पहुंचे। यह बोलेरो खनिज विभाग ने उपलब्ध करवाई थी।

पटवारी की रिपोर्ट पर बागौर पुलिस ने केस दर्ज किया। इस मामले में पुलिस ने जांच करते हुए पुरानी अमरगढ़ निवासी रतन लाल (38) पुत्र जगदीशचंद्र जाट, मालपुरा निवासी कन्हैयालाल (20) पुत्र कस्तुर भील, नई अमरगढ़ निवासी सोनू (22) पुत्र बाबूलाल कीर, पुरानी अमरगढ़ निवासी ललित (25) पुत्र रामेश्वर लाल जाट, मुकेश (29) पुत्र रामेश्वर जाट, राजमल उर्फ राजू (27) पुत्र रामेश्वर लाल जाट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हमले के अन्य आरोपियों को सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में सात गिरफ्तार

सूरजगढ़, (निसं)। दो दिन पहले परसा का बास भुडनपुरा में रात को अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गई पुलिस पर हुए हमले के मामले में दो महिलाओं समेत सात गिरफ्तार आरोपियों को मंगलवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया। दूसरी तरफ मंगलवार से ग्रामीणों ने थाने के बाहर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों की मांग की है कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर शराब के नशे में धुत्त पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के साथ अभद्रता की, उन सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिन लोगों को पुलिस ने पकड़ रखा है उन्हें छोड़ा जाए और एसएचओ सुखदेव सिंह को थाने से हटाया जाए। इस मामले में ग्रामीणों ने बुधवार को एसपी से मिलकर अपना पक्ष रखने की बात भी कही है।

इस मौके पर धरने पर बसपा के चूरू जिलाध्यक्ष देईराम मेघवाल, कैलाशदास महाराज सारी, सोहन चौहान, बजरंग चौहान, राजू चौहान, दलीप चौहान, रोताश रांगेरा, चुन्नीलाल चौहान, मोहरसिंह चौहान, कृष्ण चौहान, सिंगराम चौहान, ममता, विनोद, मनीषा, राजबाला, संतरा, पिंकी, चंद्रकला, सुमित्रा, पूजा, माया, मंजू इत्यादि उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में संजोग उर्फ मोनू, हरिश, सुमेरसिंह, सुनिल, संदीप मंजू पत्नी

ग्रामीणों ने मांगों को लेकर थाने के बाहर धरना शुरू कर दिया।

- **गिरफ्तार सातों आरोपियों को जेल भेजा, ग्रामीणों ने धरना शुरू किया**
- **परसा का बास भुडनपुरा में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी पुलिस**

हवासिंह तथा सुशीला पत्नी सुमेरसिंह को राजकार्य में बाधा और पुलिस पर हमला करने के मामले में गिरफ्तार किया था। इन सभी को कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

एसएचओ सुखदेव सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि परसा का बास भुडनपुरा में हवासिंह मेघवाल अवैध शराब बेच रहा है। पुलिस की टीम ने हवासिंह को अवैध शराब के साथ पकड़ भी लिया था। लेकिन जैसे ही उसे गाड़ी में बैठाने लगे तो उसके आवाज लगाने पर उसके परिवार के लोग आ गए, जिन्होंने पुलिस पर पत्थरों, लाठियों और ईंटों से हमला कर दिया। जिसके बाद आरोपी हवासिंह को छुड़वा ले गए और मौके पर मिली अवैध शराब भी ले गए। पुलिसकर्मियों ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई। उन्होंने बताया कि हवासिंह पर कुछ साल पहले भी अवैध शराब बेचने का मामला दर्ज है। पुलिस को कई दिनों से मुखबिर से इत्तला मिल रही थी कि हवासिंह मेघवाल घर के एक कमरे में अवैध शराब का स्टाक रखकर उसका अवैध बेचान करता है। मामले में मुख्य आरोपी हवासिंह व अन्य नामजद आरोपी अभी भी फरार चल रहे है। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

इधर, धरना स्थल पर आई कुछ महिलाओं ने बताया कि वे शादी में हिस्सा लेने के लिए परसा का बास भुडनपुरा आई थी, जहां पर पुलिस ने उनके साथ पहले अभद्रता की और इसके बाद जबरदस्ती उन्हें उठाकर थाने ले आए। जहां पर बेरहमी के साथ उनके साथ मारपीट की। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि अभी भी पुलिस ने उनके परिवार के लोगों को पकड़ रखा है। जिनके साथ मारपीट कर रहे हैं, जिन्हें पुलिस यदि जल्दी नहीं छोड़ती है तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

सुखदेव सिंह, एसएचओ, सूरजगढ़ का कहना है कि सभी गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है, जहां से उन्हें जेल भेज दिया है। मुख्य आरोपी हवासिंह मेघवाल व अन्य आरोपी फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने घटना वाले दिन अवैध शराब के साथ हवा सिंह को पकड़ा था। पुलिस पर हमला करके हवासिंह को छुड़वाया गया और पकड़ी गई शराब भी आरोपी ले गए। परिवार की तरफ से अभी कोई लिखित रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलेगी तो जांच भी करेंगे और कार्रवाई भी करेंगे।

जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी

जयपुर। संविधान दिवस के अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

एसएसजी पारीक पीजी कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त कलक्टर देवेन्द्र कुमार जैन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अतिथियों एवं युवाओं ने सभागार में प्रदर्शित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा संविधान निर्माण करने वाले तथा इसमें योगदान देने वाले देश के पुरोधाओं को याद किया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ धमेन्द्र चौधरी एवं सुप्रिया अग्रवाल ने विद्यार्थियों को भारत के संविधान की बारीकियों और विशेषताओं से रूबरू करवाया।

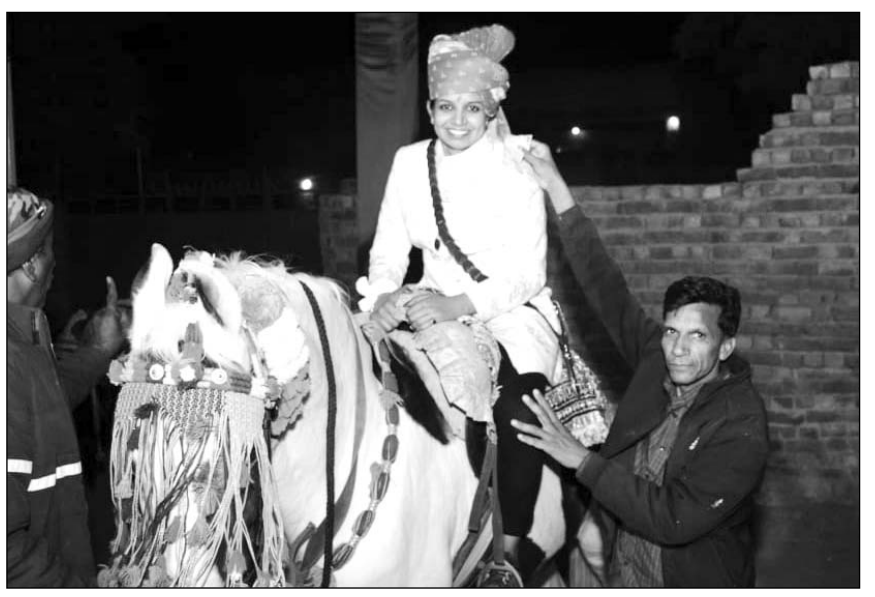

झुंझुनूं : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर मुकुंदगढ़ थानाधिकारी अभिलाषा ने बड़ा संदेश दिया है। राजगढ़ के रतनपुरा निवासी शिक्षक हरफूलसिंह सुंडा ने अपनी बेटी मुकुंदगढ़ थानाधिकारी अभिलाषा की शादी में घोड़ी पर चढ़ाकर बिंदौरी निकाली। इस दौरान थानाधिकारी अभिलाषा ने ना केवल बेटी बचाने और बेटी पढ़ाने का संदेश दिया। बल्कि उन्होंने घोड़ी से उतरकर परिजनों के साथ डांस भी किया। गौरतलब है कि मुकुंदगढ़ थानाधिकारी अभिलाषा मंगलवार को सरदारशहर निवासी सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार के साथ परिणय सूत्र में बंध गई है। इस दौरान अभिलाषा की दादी मामकोर देवी, माता शारदा देवी, भाई निरंजन और विपिन समेत अन्य मौजूद रहे।

नकबजनी व लूट की कालबेलिया गैंग का फर्दाफाश, दो गिरफ्तार

कालबेलिया गैंग ने चालीस से अधिक वारदातें करना कबूल किया

मालपुरा, (निस) मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षैत्रों में लगातार एक के बाद एक नकबजनी व लूटपाट की हुई घटनाओं को गंभीरता से लेते हुये लाम्बाहरिसिंह व डिग्गी थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुये नकबजनी व लूट की अंतर जिला कालबेलिया गैंग का फर्दाफाश किया है। पलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालीस से अधिक वारदातों का खुलासा किया।

पुलिस उपाधिक्षक आशीष प्रजापत ने बताया कि एक ही तरीके से लूट व नकबजनी की हुई वारदातों को गंभीरता से लेते हुये विशेष टीमों का गठन किया गया। दोनों ही थानाधिकारियों की टीम ने कालबेलिया गैंग के बारे में महत्वपूर्ण सुराग जुटाये। जिस पर उक्त गैंग द्वारा टोंक, केकड़ी, अजमेर, दूदू, बूंदी जालोर, भीलवाड़ा आदि जिलों में चालीस से अधिक वारदातें होना सामने आया। जिस पर पुलिस टीम ने गैंग के सदस्य सूरज कालबेलिया पुत्र राजू कालबेलिया पुर्नवास कॉलोनी बंथली व रामस्वरूप पुत्र मिट्ठू कालबेलिया

पुलिस ने कालबेलिया गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया।

निवासी रूपाहेली थाना लाम्बाहरिसिंह तहसील मालपुरा को दस्तयाब किया गया। दोनों से की गई पूछताछ मे बताया कि उन्होंने अपनी गैंग के अन्य सदस्यों के साथ चालीस से अधिक वारदातें की।

थानाधिकारी ने बताया कि गैंग के दोनों सदस्य आपस में रिश्तेदार है। दोनों स्थानीय सदस्यों द्वारा फेरी लगाकर चटाई, चीनी के बर्तन व अन्य घरेलू सामान घर-घर बैचने की आड़ में रैकी कर सुनसान स्थान व बुजुर्ग महिला-पुरूष जो कि सोने के आभूषण पहने हो घर व बाड़े में अकेले सोते हो ऐसे स्थानों को चिन्हित कर रात के समय वारदातों को अंजाम देते थे। घटना में बाइक व चौपहिया वाहन उपयोग में लेते थे। दोनों अभियुक्तों ने एक दर्जन से अधिक सोने की मुर्कियां व दस से अधिक सोने की नथ, आधा दर्जन से अधिक सोने के टॉपस व कान के झेला

- **फेरी लगाकर चटाई, चीनी के बर्तन व अन्य घरेलू सामान घर-घर बैचने की आड़ में रैकी करते थे**

सहित एक लाख रूपयों की नगदी, मोटरसाइकिल, मोबाइल, हाथों के कड़े, लहसून व प्याज की बोरी, चांदी के बर्तनों सहित कुल 42 वारदातें करना कबूल किया। उक्त वारदातों में चोरी का सामान व लूट के आभूषण बरामद करने के लिये अभियुक्तों से गहन पूछताछ की जा रही है।

जिंदा युवक के पोस्टमार्टम का मामला: चिकित्सा विभाग की टीम झुंझुनूं पहुंची

झुंझुनूं, (निसं)। मां सेवा संस्थान द्वारा संचालित मानसिक विमंदित पुनर्वास केंद्र में रहने वाले एक मानसिक विमंदित युवक की जिंदा रहते हुए कागजी पोस्टमार्टम करने और उसके बाद हुई उसकी मौत के मामले में लगातार जांच जारी है। मंगलवार को राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर चिकित्सा विभाग द्वारा गठित एक विशेष टीम झुंझुनूं के राजकीय जिला बीडीके अस्पताल पहुंची।

जोनल डायरेक्टर डॉ. नरोत्तम शर्मा की अगुवाई में आई चार सदस्यी टीम के सदस्यों ने करीब पांच से साढ़े पांच घंटे तक राजकीय जिला बीडीके अस्पताल में ठहरकर इस प्रकरण के सभी दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज और अन्य चीजें ली। इसके अलावा प्रकरण से जुड़े पीएमओ डॉ. संदीप पचार, युवक को जिंदा रहते हुए मृत घोषित करने वाले डॉ. योगेश जाखड़ तथा कागजी पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. नवनीत मील के अलावा इलाज के समय मौजूद सभी नर्सिंगकर्मी और मोर्चरी के कर्मचारियों से पूछताछ की। उनके बयान नोट किए। वहीं लिखित में उनसे जानकारी एकत्रित की। जानकारी के मुताबिक इस प्रकरण सारी जानकारी बारीकी से हासिल करने के बाद यह टीम वापिस जयपुर लौट गई। बताया जा रहा है कि इस प्रकरण की पूरी रिपोर्ट जल्द ही टीम हाईकोर्ट में प्रस्तुत करेगी। इधर, इस टीम के आने के बाद बीडीके अस्पताल में हड़कंप मचा रहा।

जानकारी के अनुसार मां सेवा संस्थान को लेकर भी लगातार माकपा समेत अन्य संगठन जांच की मांग उठा रहे है। साथ ही ये संगठन आरोप लगा रहे हैं कि संस्थान के द्वारा संचालित गृह में मृतक युवक के साथ भी मारपीट की गई थी और अन्य मानसिक विमंदितों को भी प्रताड़ित किया जाता है। चर्चा है कि कल जयपुर से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की टीम ने भी गृह का दौरा कर निरीक्षण किया और जांच रिपोर्ट तैयार की। वहीं संस्था संचालक विभिन्न मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में सभी आरोपों को नकार रहे है।

शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने एक कंटेनर से अवैध हरियाणा निर्मित शराब के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुजरात से सटे राजस्थान के रतनपुर बॉर्डर पर कंटेनर पकड़ा। परचून के सामान की आड में शराब की तस्करी हो रही थी।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत मुखबिर की सूचना पर राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकेबंदी कर गाड़ियों की तलाशी शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने उदयपुर की ओर से आ रहे एक कंटेनर को रुकवाया। ड्राइवर से पूछताछ की तो उसने परचून का सामान भरा होना बताया। पुलिस को शक होने पर कंटेनर की तलाशी ली गई। इस दौरान सामान के आड़ में ही अवैध शराब की पेटियां भरी हुई मिली। ड्राइवर हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब को लेकर कोई जवाब नहीं दे सका, जिस पर पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर शराब की पेटियों को उतरा। पुलिस ने कंटेनर से 175 पेटी शराब जब्त की है। जिसे तस्करी कर गुजरात ले जा रहे थे। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शराब तस्करी कर रहे असमिल उर्फ राहुल पुत्र इजराइल खान निवासी ग्लासनिया का बास थाना फिरोजपुर झिरखा थाना नुहू हरियाणाए दर्शन पुत्र दौलतराम मेघवाल निवासी पाटन उदयपुरी थाना फिरोजपुर झिरखा नूंहु हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया है।

फायनैंस कर्मचारियों से 14 हजार की लूट

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर फाइनेंस कर्मचारियों के साथ लूट का मामला सामने आया है। बाइक सवार बदमाशों ने चाकू दिखाकर डराया। फाइनेंस कर्मचारियों ने बदमाशों से बचाव का प्रयास किया, लेकिन बदमाश 14 हजार रुपए से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। फिलहाल पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

बिछीवाड़ा थाने के एसआई ने बताया कि रवि गुप्ता पुत्र साहेब गुप्ता निवासी महीहर मध्य प्रदेश ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि वह क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड में काम करता है। सोमवार को वह और उसका साथी रतनलाल पुत्र चंदराम मेघवाल निवासी कोटपुतली जयपुर दोनों सोमवार सुबह के समय फाइनेंस की रिकवरी करने निकले थे। कनबई, शेरावाडा, मालीफला, बौखला से शेरावाडा आए। शेरावाडा में चाय पीकर वापस बिछीवाड़ा की ओर जा रहे थे। एनएच-48 होटल के सामने ब्रिज पर एक बाइक पर दो युवक आए।

पीछे बैठे युवक ने चलती बाइक से उस पर चाकू मारने का प्रयास किया। जिस पर रतनलाल ने हेलमेट निकलकर खुद का बचाव करने का प्रयास किया। इस दौरान उनकी बाइक का बैलेंस बिगडकर डिवाइडर से टकराकर सर्विस लेन में गिर गए। इससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। बदमाशों ने उनके पास से रुपयों से भरा बैग लूट लिया और उदयपुर की ओर भाग गए। बैग में रिकवरी के रुपए थे। वहीं एक टैबलेट था, जिसे बदमाश ले गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस लूटपाट करने वाले दोनों बदमाशों की तलाश कर रही है।

काजड़ा गांव में शहीद विनोद सिंह शेखावत का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बेटियों ने किया पिता को सेल्यूट, हमारे पापा पर गर्व है, देश के लिए जान दी

सूरजगढ़, (निसं)। काजड़ा गांव के रहने वाले सेना के जवान विनोद सिंह शेखावत शहीद हो गए। मंगलवार को सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सुबह उनकी पार्थिव देह सूरजगढ़ पहुंची, जहां से तिरंगा यात्रा के साथ पार्थिव देह उनके गांव काजड़ा स्थित निवास पर ले जाई गई। रास्ते में जेसीबी से फूल बरसाए गए। यहां पर अंतिम दर्शनों के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया।

सीएम भजनलाल शर्मा की ओर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने पुष्प चक्र अर्पित किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सांसद संतोष अहलावत, जिला कलेक्टर रामावतार मीणा व एसपी शरद चौधरी, विधायक श्रवण कुमार, सरपंच मंजू तंवर, पूर्व विधायक जेपी चंदेलिया, पूर्व चेयरमैन हीरालाल, जिला व्यापार संघ अध्यक्ष सेवाराम गुप्ता, छैलूराम भड़िया, मंजीत तंवर पीओ ममता यादव, कर्नल बलराज पूनियां, नायब सूबेदार विक्रम सिंह शेखावत, सैनिक कल्याण बोर्ड

सेना के अधिकारियों व कलेक्टर ने बेटियों तथा पुत्र को शहीद की सेना की ड्रेस तथा तिरंगा भेंट किया।

ऑफिसर झुंझुनूं कर्नल सुरेश जांगिड़, वेलफेयर ऑफिसर चिड़ावा जयकरण डांगी ने पुष्पचक्र अर्पित किए और कहा कि परिवार के साथ पूरा प्रशासन खड़ा है। सभी पैकेज परिवार को दिलवाए जाएंगे। भाजपा की प्रदेश महामंत्री पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर सरकार की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बेटी नैंसी और खुशी ने अपने पिता की शहादत पर गर्व होने की बात कही। वहीं 10 साल के बेटे राज्यवर्धन ने मुखाग्नि दी। गांव में गमगीन माहौल रहा।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि विनोद सिंह की शहादत पर सभी को गर्व है। सेना से आए अधिकारियों व जिला कलेक्टर ने दोनों बेटियों तथा पुत्र को शहीद की सेना की ड्रेस तथा तिरंगा भेंट किया गया। इससे पहले जब पार्थिव देह पहुंची और वीरांगना सुमन कंवर को अंतिम दर्शन के लिए लाया गया तो वीरांगना सुमन कंवर पार्थिव देह के लिपट गई। यह देखकर सभी लोग भावुक हो गए। वहीं बेटियां भी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से लिपटकर अपने पिता को वापिस लाने के लिए रोते-रोते चिल्ला पड़ी। सेना से आए अधिकारियों ने बताया कि 23 नवंबर को रात 11:40 बजे सर्विलांस ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ी थी। उन्हें इम्फाल (मणिपुर) स्थित शिजा हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ले जाया गया था। वहां रात करीब 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली थी।

- **सीएम भजनलाल शर्मा की ओर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने पुष्प चक्र अर्पित किया**

शहीद विनोद सिंह शेखावत की पार्थिव देह पहुंचने पर चिड़ावा-लोहारू बाईपास स्थित काजड़ा चुंगी नाका पर बड़ी संख्या में युवा शहीद की अगवानी के लिए जुटे। बाइकों से तिरंगा यात्रा निकाली गई। काजड़ा के विनोद सिंह पुत्र जगमाल सिंह 2004 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। वे सेना की इन्फैंट्री बटालियन 2 महार रेजिमेंट में हवलदार के पद पर तैनात थे। जवान विनोद सिंह के चार भाई हैं। उनके एक बेटा और दो बेटी हैं। पत्नी सुमन कंवर बच्चों की पढ़ाई के कारण जयपुर में रहती हैं। शहीद विनोद सिंह शेखावत की बड़ी बेटी नैंसी 11वीं, छोटी बेटी खुशी 9वीं और बेटा राज्यवर्धन सिंह शेखावत छठी कक्षा में पढ़ता है। नैंसी ने काजड़ा से 10वीं कक्षा पास की थी, जिसके बाद जुलाई में तीनों बच्चे आगे की पढ़ाई के लिए जयपुर शिफ्ट हो गए थे। उनके साथ विनोद की पत्नी सुमन कंवर भी जयपुर ही शिफ्ट हो गई। शहीद के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। गांव में विनोद सिंह के 4 भाई अपने परिवारों के साथ रहते थे।